



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2158]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 18, 2009/अग्रहायण 27, 1931

No. 2158]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 18, 2009/AGRAHAYANA 27, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 2009

आय-कर

का.आ. 3245(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 17 की उप धारा (2) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आय कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (तेरहवां संशोधन) नियम, 2009 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 2009 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में विद्यमान नियम 3 के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :

3. “वेतन” शीर्ष के अधीन प्रभार्य आय की संगणना के प्रयोजन के लिए नियोजक द्वारा प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः निर्धारिति को (जिसमें इसके पश्चात् कर्मचारी कहा गया है) या उसमें नियोजन के कारण उसमें परिवार के किसी सदस्य को दी गई परिलक्षियों के मूल्य का अवधारण निम्नलिखित उपनियमों के अनुसार किया जाएगा, अर्थात् :

(1) नियोजक द्वारा पूर्व वर्ष के दौरान उपलब्ध कराई गई वास सुविधा के मूल्य का नीचे दी गई सारणी में उपबंधित आधार पर अवधारण किया जाएगा :

सारणी-I

क्र. सं.	परिस्थितियां	जहाँ वास सुविधाएं सुसज्जित नहीं हैं	जहाँ वास सुविधाएं सुसज्जित हैं
(1)	(2)	(3)	(4)
(1)	जहाँ वास सुविधा केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा वास सुविधा के बारे में उस सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार अवधारित वह अनुशासि फीस जो कर्मचारी द्वारा	स्तर (3) के अधीन यथा अवधारित परिलक्षि का मूल्य और जिसमें फर्नीचर की (जिसके अंतर्गत टेलीविजन सेट, रेडियो सेट, रेफ्रिजरेटर अन्य घरेलू साधित्र,	
(2)	केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा वास सुविधा के बारे में उस सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार अवधारित वह अनुशासि फीस जो कर्मचारी द्वारा		

	<p>को उपलब्ध कराई जाती है जो या तो संघ या ऐसे राज्य के कार्यकलापों के लिए पदधारण किए हों।</p>	<p>वास्तव में संदत्त किराए से घटाकर आए।</p>	<p>वातानुकूलन संयंत्र उपस्कर भी है) लागत का 10 % वार्षिक बढ़ा दिया गया हो और यदि ऐसा फर्नीचर किसी तीसरे पक्षकार से किराए पर लिया गया है तो उसके लिए वास्तव में संदेय वे किराया प्रभार जो कर्मचारी द्वारा पूर्ववर्ष के दौरान उसके लिए संदत्त या संदेय किन्ही प्रभारों को घटाकर आए।</p>
(2)	<p>जहां वास सुविधा किसी अन्य नियोजक द्वारा उपलब्ध कराई जाए और -</p> <p>(क) जहां वास-सुविधा नियोजक के स्वामित्वाधीन हो, या</p>	<p>(i) उन शहरों में जिनकी जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 25 लाख से अधिक है, वेतन का 15 प्रतिशत।</p> <p>(ii) उन शहरों में जिस की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 10 लाख से अधिक है किंतु 25 लाख से कम है वेतन का 10 प्रतिशत</p> <p>(iii) अन्य क्षेत्रों में वेतन का 7.5 %</p> <p>उस अवधि के दौरान जिसको उक्त वास सुविधा पूर्व वर्ष के दौरान कर्मचारी के अधिभोग में थी, कर्मचारी द्वारा वास्तव में संदत्त किराया यदि कोई हो घटा कर आए।</p>	<p>स्तंभ (3) के अधीन यथा अवधारित परिलब्धि का मूल्य और जिसमें फर्नीचर की (जिसके अंतर्गत टेलीविजन सेट, रेडियोसेट, रेफ्रिजरेटर अन्य घरेलू साधित्र वातानुकूलन संयंत्र या उपस्कर या अन्य वैसे ही साधित्र या गैजेट भी है) लागत का 10 प्रतिशत वार्षिक प्रतिशत बढ़ा दिया गया हो और यदि ऐसा फर्नीचर किसी अन्य पक्षकार से किराए पर लिया गया हो तो उसके लिए वास्तव में संदेय वे किराया प्रभार जो कर्मचारी द्वारा पूर्व वर्ष के दौरान उसके लिए किसी अन्य संदत्त या संदेय किन्ही प्रभारों को घटाकर।</p>
	<p>(ख) जहां वास सुविधा नियोजक द्वारा पट्टे या किराए पर ली गई हों</p>	<p>नियोजक द्वारा संदत्त या संदेय पट्टा किराए कि वास्तविक रकम अथवा वेतन का 15 % इनमें से जो कम हो जो कर्मचारी द्वारा वास्तव में संदत्त किराया, यदि कोई हो, घटाकर आए</p>	<p>स्तंभ (3) के अधीन यथा अवधारित परिलब्धि का मूल्य और जिसमें फर्नीचर की (जिसके अंतर्गत टेलीविजन सेट, रेडियोसेट, रेफ्रिजरेटर अन्य घरेलू साधित्र वातानुकूलन संयंत्र या उपस्कर या अन्य वैसे ही साधित्र या गैजेट भी है) लागत का 10 प्रतिशत वार्षिक बढ़ा दिया गया हो</p>

			और यदि ऐसा फर्नीचर किसी तीसरे पक्षकार से किराए पर लिया गया हो तो उसके लिए वास्तव में संदेय वे किराया प्राभार जो कर्मचारी द्वारा पूर्व वर्ष के दौरान उसके लिए किसी अन्य संदत्त या संदेय किन्हीं प्रभारों को घटाकर ।
(3)	जहाँ वास-सुविधा क्रम संख्याक (1) या (2) में विनिर्दिष्ट नियोजक द्वारा किसी होटल में उपलब्ध कराई जाती है (उसके सिवाए जहाँ कर्मचारी को ऐसी वास-सुविधा एक स्थान से उसका दूसरे स्थान पर स्थानांतरण होने पर कुल मिलाकर 15 दिन से अधिक अवधि के लिए उपलब्ध कराई जाती है ।	लागू नहीं होता	पूर्व वर्ष के लिए संदत्त या संदेय वेतन का 24 प्रतिशत अथवा ऐसे होटल को उस अवधि के लिए जिसके दौरान ऐसी वास-सुविधा उपलब्ध कराई जाती है या संदेय वे वास्तविक प्रभार इनमें से जो कम हो जो कर्मचारी द्वारा वास्तव में संदत्त या संदेय किराया, यदि कोई हो, घटा कर आए।

परंतु इस उपनियम की कोई बात ऐसी कर्मचारी की उपलब्ध कराई गई वास सुविधा को लागू नहीं होगी, जो किसी खनन स्थल पर या अग्रतटीय तेल खोज स्थल पर या किसी परियोजना निष्पादन स्थल पर या किसी बांध स्थल पर या विद्युत जनन स्थल पर या किसी अपतटीय स्थल पर कार्य रहा हो, जो--

(i) अस्थायी प्रकृति का हो और जिनका कुर्सी क्षेत्र 800 वर्ग फुट से अधिक नहीं हो और किसी नगरपालिका अथवा छावनी बोर्ड की स्थानीय सीमाओं से कम से कम आठ किलोमीटर दूर स्थित हो ; या

(ii) किसी दूरस्थ क्षेत्र में स्थित हो :

परंतु यह और कि जहां कर्मचारी को, उसका एक स्थान से दूसरे पर स्थानांतरण होने के कारण, तैनाती के नए स्थान पर, जबकि दूसरे स्थान पर स्थित वास-सुविधा को रखता है, वास-सुविधा उपलब्ध कराई जाती है वहां परिलक्षि के मूल्य का अवधारण केवल एक ऐसी वास-सुविधा के प्रति निर्देश करते हुए, जिसका उपरोक्त सारणी के प्रति निर्देश करते हुए कम मूल्य है, 90 दिन से अनधिक अवधि के लिए किया जाएगा और उसके पश्चात् परिलक्षि का मूल्य सारणी के अनुसार ऐसी दोनों वास-सुविधाओं के लिए प्रभारित किया जाएगा।

स्पष्टीकरण-उस उपनियम के प्रयोजनों के लिए जहां केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा वास-सुविधा ऐसे कर्मचारी को प्रदान की जाती हैं जो ऐसी सरकार के नियंत्रणाधीन किसी निकाय या उपक्रम में प्रतिनियुक्ति पर हैं,—

- (i) ऐसे किसी कर्मचारी का नियोजक को वह निकाय या उपक्रम समझा जाएगा जहां कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर सेवा कर रहा है ; और
- (ii) ऐसी किसी वास-सुविधा की परिलक्षि का मूल्य सारणी-1 के क्रम सं (2) (क) के अनुसार रकम संगणित की जाएगी मानो वास-सुविधा, नियोजक के स्वामित्व में हो।
- (2) (अ) किसी नियोजक द्वारा, किसी कर्मचारी को मोटर कार के उपयोग के रूप में दी गई परिलक्षि के मूल्य का निर्धारण नीचे सारणी के अनुसार किया जाएगा, अर्थात् :—

सारणी II प्रति कैलेण्डर मास परिलक्षि का मूल्य

क्र.सं.	परिस्थितियां	जहां इंजन की क्यूबिक क्षमता 1.6 लीटर से अधिक नहीं है	जहां इंजन की क्यूबिक क्षमता 1.6 लीटर से अधिक है
(1)	(2)	(3)	(4)
(1)	जहां मोटर कार नियोजक के स्वामित्व में है या उसके द्वारा किराए पर ली जाती है और—		
	(क) वह उसके पदीय कर्तव्यों के पालन में पूर्णतः और अनन्य रूप से उपयोग की जाती है ;	कोई मूल्य नहीं : परंतु नियोजक द्वारा इस उपनियम के खंड (आ) में विनिर्दिष्ट दस्तावेज रखे जाते हों।	कोई मूल्य नहीं : परंतु नियोजक द्वारा इस उपनियम के खंड (आ) में विनिर्दिष्ट दस्तावेज रखे जाते हों।
	(ख) वह कर्मचारी या उसके घर के किसी सदस्य के प्राइवेट या निजी प्रयोजनों	सुसंगत पूर्ववर्ष के दौरान मोटर कार के प्रचालन और अनुरक्षण पर नियोजक द्वारा	सुसंगत पूर्ववर्ष के दौरान मोटर कार के प्रचालन और अनुरक्षण पर नियोजक द्वारा

	के लिए अनन्य रूप से उपयोग की जाती है और उसके अनुरक्षण व्यय नियोजक द्वारा वहन किए जाते हैं या उनकी प्रतिपूर्ति की जाती है ;	उपगत व्यय की वास्तविक रकम जिसके अंतर्गत नियोजक द्वारा चालक को संदत्त पारिश्रमिक, यदि कोई हो, भी है और उसमें मोटर कार की सामान्य टूटफूट के मद्दे रकम जोड़ दी जाएगी तथा उसमें ऐसे उपयोग के लिए कर्मचारी से प्रभारित कोई रकम घटा दी जाएगी ।	उपगत व्यय की वास्तविक रकम जिसके अंतर्गत नियोजक द्वारा चालक को संदत्त पारिश्रमिक, यदि कोई हो, भी है और उसमें मोटर कार की सामान्य टूटफूट के मद्दे रकम जोड़ दी जाएगी तथा उसमें ऐसे उपयोग के लिए कर्मचारी से प्रभारित कोई रकम घटा दी जाएगी ।
	(ग) वह उसके स्वयं के या उसके घर के किसी सदस्य के भागतः पदीय कर्तव्यों के पालन में और भागतः प्राइवेट या निजी प्रयोजनों के लिए उपयोग की जाती है और		
	(i) उसके परिचालन और अनुरक्षण पर व्यय नियोजक द्वारा वहन किए जाते हैं या उनकी प्रतिपूर्ति की जाती है ।	1,800 रूपए (जमा 900 रुपए, यदि मोटर कार को चलाने के लिए चालक भी उपलब्ध कराया जाता है)	2,400 रूपए (जमा 900 रुपए, यदि मोटर कार को चलाने के लिए चालक भी उपलब्ध कराया जाता है)
	(ii) ऐसे प्राइवेट या निजी उपयोग के लिए परिचालन और अनुरक्षण पर व्यय निर्धारिती द्वारा पूरे वहन किए जाते हैं ।	600 रूपए (जमा 900 रुपए, यदि मोटर कार को चलाने के लिए चालक भी उपलब्ध कराया जाता है)	900 रूपए (जमा 900 रुपए, यदि मोटर कार को चलाने के लिए चालक भी उपलब्ध कराया जाता है)
(2)	जहां कर्मचारी की स्वयं की मोटर कार है किन्तु उसके वास्तविक परिचालन और अनुरक्षण प्रभार (जिनके अंतर्गत चालक का, यदि कोई हो, पारिश्रमिक भी है) नियोजक द्वारा वहन किए जाते हैं या उसको प्रतिपूर्ति की जाती है और-		
	(i) ऐसी प्रतिपूर्ति उक्त यान के पूर्णतः और अनन्यतः	कोई मूल्य नहीं :	कोई मूल्य नहीं :

	पदीय प्रयोजन के लिए उपयोग के लिए है।	परंतु नियोजक द्वारा इस उपनियम के खंड (आ) में विनिर्दिष्ट दस्तावेज रखे जाते हों।	परंतु नियोजक द्वारा इस उपनियम के खंड (आ) में विनिर्दिष्ट दस्तावेज रखे जाते हों।
	(ii) ऐसी प्रतिपूर्ति उक्त यान के भागतः पदीय प्रयोजन के लिए और भागतः उक्त कर्मचारी या उसके घर के किसी सदस्य के निजी या प्राइवेट प्रयोजनों के लिए उपयोग के लिए है।	इस उपनियम के खंड (आ), में अंतर्विष्ट उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियोजक द्वारा उपगत व्यय की वास्तविक रकम, उसमें से ऊपर स्तंभ (1)(ग)(i) में विनिर्दिष्ट रकम घटा दी जाएगी।	इस उपनियम के खंड (आ), में अंतर्विष्ट उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियोजक द्वारा उपगत व्यय की वास्तविक रकम, उसमें से ऊपर स्तंभ (1)(ग)(i) में विनिर्दिष्ट रकम घटा दी जाएगी।
(3)	जहां कर्मचारी के पास कोई अन्य स्वचालित वाहन है किन्तु वास्तविक परिचालन और अनुरक्षण प्रभार नियोजक द्वारा वहन किए जाते हैं या उसको प्रतिपूर्ति की जाती है और		
	(i) ऐसी प्रतिपूर्ति उक्त यान के पूर्णतः और अनन्यतः पदीय प्रयोजन के लिए उपयोग के लिए है।	कोई मूल्य नहीं : परंतु नियोजक द्वारा इस उपनियम के खंड (आ) में विनिर्दिष्ट दस्तावेज रखे जाते हों।	लागू नहीं होता।
	(ii) ऐसी प्रतिपूर्ति उक्त यान के भागतः पदीय प्रयोजन के लिए और भागतः उक्त कर्मचारी के निजी या प्राइवेट प्रयोजनों के लिए उपयोग के लिए है।	इस उपनियम के खंड (आ), में अंतर्विष्ट उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियोजक द्वारा उपगत व्यय की वास्तविक रकम, उसमें से 900 रु० की रकम घटा दी जाएगी :	

परंतु जहां नियोजक के स्वामित्व में एक या अधिक मोटर कारें हैं या उसके द्वारा किराए पर ली जाती हैं और कर्मचारी या उसके घर के किसी सदस्य को ऐसी मोटरकार या ऐसी सभी मोटर कारों या उनमें से किसी का उपयोग (पूर्णतः या अनन्यतः उसके कर्तव्यों के पालन में उपयोग से भिन्न) करने के लिए अनुज्ञात किया जाता है वहां परिलक्षि का मूल्य सारणी II के क्रम सं० (1)(ग)(i) के

अनुसार एक कार की बाबत संगणित रकम होगी मानो कर्मचारी के लिए एक मोटर कार भागतः उसके कर्तव्यों के पालन के लिए और भागतः उसके प्राइवेट या निजी प्रयोजनों के लिए उपयोग के लिए उपलब्ध कराई गई है और अन्य कार या कारों की बाबत परिलक्षि का मूल्य सारणी II के क्रम सं0 (1)(ख) के अनुसार संगणित रकम होगी मानो उसे ऐसी कार या कारें उसके प्राइवेट या निजी प्रयोजनों के लिए अनन्यतः उपलब्ध कराई गई थीं ।

(आ) जहां नियोजक या कर्मचारी यह दावा करता है कि मोटर कार का उपयोग पूर्णतः या अनन्यतः पदीय कर्तव्यों के पालन में किया जाता है या कर्मचारी के स्वाभित्वधीन मोटर कार के पदीय प्रयोजनों के लिए परिचालन और अनुरक्षण पर वास्तविक उपरोक्त सारणी II के क्रम सं0 2(ii) या 3(ii) में कठौती योग्य रकमों से अधिक है तो वह ऐसे पदीय उपयोग के कारण उच्चतर रकम का दावा कर सकेगा और ऐसे मामले में परिलक्षि का मूल्य नियोजन द्वारा वहन किए गए या उसके द्वारा प्रतिपूर्ति किए गए प्रभारों की वास्तविक रकम होगी और उसमें से उक्त यान के पदीय उपयोग के कारण ऐसी उच्चतर रकम घटा दी जाएगी परंतु वह भी तब जब निम्नलिखित शर्त पूरी कर दी जाती हैः—

(क) नियोजक ने पदीय प्रयोजन के लिए की गई यात्राओं के पूरे ब्यौरे रखे हैं जिनके अंतर्गत यात्रा की तारीख, गंतव्य स्थान, भील और उस पर उपगत व्यय की रकम भी है ;

(ख) कर्मचारी यह प्रमाणपत्र देता है कि उक्त व्यय पूर्णतः और अनन्यतः उसके पदीय कर्तव्य के पालन के लिए उपगत हुआ था ।

स्पष्टीकरण—इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए, मोटर कार की सामान्य टूट-फूट उक्त मोटर कार या कारों की वास्तविक लागत के 10 प्रतिशत वार्षिक पर निकाली जाएगी ।”

(3) कर्मचारी या उसके परिवार के किसी सदस्य को नियोजक द्वारा सफाई वाले की, माली, चौकिदार या किसी निजी सेवक की सेवाओं का उपबंध करने के परिणामस्वरूप हुए फायदे का मूल्य नियोजक की वास्तविक लागत होगी । ऐसे मामलों में वास्तविक लागत नियोजक या उसकी ओर से किसी व्यक्ति द्वारा ऐसी सेवाओं के लिए संदत्त या संदेय वेतन की वह कुल रकम होगी जो कर्मचारी ऐसी सेवाओं के लिए संदत्त किसी रकम को घटा कर आए ।

(4) कर्मचारी को गैस, विद्युत ऊर्जा या जल का प्रदाय करने के परिणामस्वरूप हुए फायदे का मूल्य नियोजक द्वारा गैस, विद्युत ऊर्जा या जल का प्रदाय करने वाले अभिकरण (एजेंसी) को उस महे संदत्त रकम बराबर राशि के रूप में अवधारित किया जाएगा, जहां ऐसा प्रदाय नियोजक के अपने स्वयं के द्वारा, उन्हें किसी बाहरी अभिकरण से क्रय किए बिना किया जाता है वहां परिलक्षि का मूल्य नियंत्रण द्वारा किया गया प्रति यूनिट विनिर्माण खर्च होगा । जहां कर्मचारी ऐसी सेवाओं के लिए किसी रकम का संदाय कर रहा हो वहां इस प्रकार निकाले गए मूल्य में से ऐसी संदत्त रकम की कठौती की जाएगी ।

(5) कर्मचारी को उसके परिवार के किसी सदस्य के लिए निःशुल्क या रियायती शिक्षा सुविधाओं का उपबंध करने के परिणामस्वरूप हुए फायदे का मूल्य नियोजक द्वारा उस निमित्त किए गए व्यय की रकम के बराबर राशि के रूप में अवधारित किया जाएगा अथवा जहां वह शिक्षा संस्था स्वयं नियोजक द्वारा चलाई जाती है या उसके स्वामित्वाधीन है अथवा जहां निःशुल्क शिक्षा सुविधाएं ऐसे कर्मचारियों के परिवार के ऐसे सदस्य को किसी अन्य शिक्षा संस्था में इस कारण अनुज्ञात की जाती हैं कि वह नियोजक के नियोजन में हैं, वहां कर्मचारी की परिलक्षि का मूल्य उसी स्थान में या उसके निकट इस प्रकार की किसी संस्था ऐसी शिक्षा संस्था ऐसी शिक्षा के खर्च के प्रति निर्देश से अवधारित किया जाएगा । जहां कर्मचारी उस महे कोई रकम संदत्त करता है या उससे वसूल की जाती है, वहां संदत्त या वूसल की गई रकम फायदे के मूल्य में से घटा दी जाएगी ।

परंतु जहां शिक्षा संस्था स्वयं नियोजक द्वारा चलाई जाती है या उसके स्वामित्वाधीन है और कर्मचारी के बच्चों को निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं अथवा जहां ऐसी निःशुल्क शिक्षा सुविधाएं किसी (शिक्षा) संस्था में इस कारण उपलब्ध कराई जाती हैं कि वह उस नियोजक के नियोजन में है, फायदे का मूल्य 1,000 रुपए प्रतिमास से अधिक न हो ।

6. यात्रियों या माल को लाने ले जाने में लगे किसी कर्मचारी को या उसके परिवार के किसी सदस्य को ऐसे किसी वाहन में, जो यात्रियों या माल के परिवहन के प्रयोजन के लिए उपक्रम के स्वामित्वाधीन है, उसके द्वारा पट्टे पर लिया गया है या कोई अन्य व्यवस्था करके उपलब्ध कराया गया है, निःशुल्क या रियायती किराए पर यात्रा करने के संबंध में किए गए उपबंध के परिणामस्वरूप हुए किसी फायदे या सुख-सुविधा का मूल्य वह मूल्य माना जाएगा जिस पर ऐसे उपक्रम द्वारा लोगों को ऐसे फायदे या सुख-सुविधा देने का प्रस्ताव किया जाता है, जो ऐसी रकम, यदि कोई हो, घटाकर आए जोकि ऐसे फायदे या सुख-सुविधा के लिए किसी कर्मचारी द्वारा संदत्त की गई हो या उससे वसूल की गई हो :

परंतु इस उपनियम की कोई बात किसी एअरलाइन या रेल कर्मचारियों पर लागू नहीं होगी ।

(7) धारा 17 की उपधारा (2) के उपर्युक्त (viii) में अंतर्विष्ट उपबंधों के निबंधनों के अनुसार निम्नलिखित अन्य अनुषंगी फायदे या सुख-सुविधाएं इसके द्वारा विहित की जाती हैं और उसके मूल्य का अवधारण नीचे उपबंधित रीति में किया जाएगा;

(i) नियोजक द्वारा या उसकी ओर से किसी व्यक्ति द्वारा सुसंगत पूर्ववर्ष के दौरान कर्मचारी या उसके घर के किसी प्रयोजन के लिए बिना ब्याज के या रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराने के उपबंध करने के परिणामस्वरूप निर्धारिती को होने वाले फायदे का मूल्य भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) के अधीन गठित भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उसी प्रयोजन के लिए दिए गए ऋण के संबंध में सुसंगत पूर्ववर्ष की पहली तारीख को उसके द्वारा प्रतिवर्ष प्रतिभारित दर से संगणित ब्याज के बराबर ऐसी राशि के रूप में अवधारित किया जाएगा जो कि उसके द्वारा या उसके परिवार के किसी सदस्य द्वारा वास्तव में संदत्त ब्याज यदि कोई हो, को घटाकर आए :

परंतु यदि ऐसे ऋण इन नियमों के नियम 3क में विनिर्दिष्ट रोगों की बाबत चिकित्सा उपचार के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं या जहां ऋण की राशि बहुत ही कम है अर्थात् कुल 20,000 रुपए से अधिक नहीं है तो कोई मूल्य प्रभारित नहीं किया जाएगा :

परंतु यह और कि जहां फायदा उपरोक्त निर्दिष्ट चिकित्सा उपचार के लिए उपलब्ध कराए गए ऋण से संबंधित है, वहां इस प्रकार उपबंधित छूट उतने ऋण को लागू नहीं होगी जितने कि कर्मचारी को किसी चिकित्सा बीमा स्कीम के अधीन प्रतिपूर्ति की गई है।

(ii) कर्मचारी द्वारा लिए गए किसी अवकाश के लिए या उसके परिवार के किसी सदस्य के लिए यात्रा भ्रमण वास-सुविधा या किसी अन्य व्ययों का मूल्य जो नियोजक द्वारा संदत्त किया जाता है, वहन किया जाता है या जिसकी उसके द्वारा प्रतिपूर्ति की जाती है, नियम 2ख में निर्दिष्ट रियायत या सहायता से भिन्न नियोजक द्वारा उस निमित्त उपगत की गई व्यय की रकम संदाय या वहन या प्रतिपूर्ति किए गए यात्रा, टूरिंग, आवास और किसी अन्य व्ययों का मूल्य के बराबर राशि के रूप में अवधारित किया जाएगा। जहां ऐसी सुविधा नियोजक द्वारा बनाई रखी जाती है और वह सभी कर्मचारियों को समान रूप से उपलब्ध नहीं है, वहां उस फायदे का मूल्य वह मूल्य माना जाएगा, जिस पर ऐसी सुविधाएं अन्य अभिकरणों द्वारा जनता को उपलब्ध कराई जाती है। जहां कर्मचारी पदीय दौरे पर है और उसके साथ जाने वाले उसके घर के किसी सदस्य की बाबत व्यय किया जाता है, वहां इस प्रकार उपगत व्यय की रकम भी अनुषंगी फायदा या सुख सुविधा ही होगी।

परंतु जहां किसी पदीय दौरे का अवकाश के रूप में विस्तार किया जाता है वहां ऐसे अनुषंगी फायदे का मूल्य उन व्ययों तक सीमित होगा जो ठहरने या अवकाश की ऐसी बढ़ाई गई ऐसी अवधि के संबंध में किए गए हों। इस प्रकार अवधारित रकम से वो रकम यदि कोई हो घटा दी जाएगी जो कर्मचारी द्वारा ऐसे फायदे या सुख सुविधा के लिए संदत्त की गई है या उससे वसूल की गई है।

(iii) नियोजक द्वारा किसी कर्मचारी को उपलब्ध कराए गए निःशुल्क भोजन और गैर अल्कोहोलिक पेय का मूल्य व्यय की वह रकम होगी जो नियोजक द्वारा किया गया हो। इस प्रकार अवधारित रकम में से वह रकम, यदि कोई हो, घटा दी जाएगी जो कर्मचारी द्वारा ऐसे फायदे या सुख सुविधा के लिए संदत्त की गई है या उससे वसूल की गई है :

परंतु इस उपनियम की कोई बात कार्यालय समय के दौरान कार्यालय या कारबार परिसरों में ऐसे नियोजक द्वारा उपलब्ध कराए गए निःशुल्क खाद्य और गैर अल्कोहलीय पेय या ऐसे संदत्त वाउचर जो अंतरणीय नहीं हैं और जो केवल भोजन स्थलों पर ही उपयोग के योग्य हैं, यदि कार्यालय समय के दौरान उपलब्ध कराए गए प्रति भोजन या चाय या नाश्ता, जिसका मूल्य किसी प्रकार 50 रुपए से अधिक नहीं है या दूरस्थ क्षेत्र या अपतट स्थापनों में कार्यालय समय के दौरान उपलब्ध कराए गए निःशुल्क भोजन और गैर अल्कोहलीय पेय को, लागू नहीं होगी।

(iv) किसी उपहार या ऐसे वाउचर या टोकन का मूल्य जिसके बदले में कर्मचारी या उसके घर के किसी सदस्य द्वारा समारोह के अवसर पर या अन्यथा ऐसा उपहार, किसी नियोजक से, प्राप्त किया जा सकता है, ऐसे उपहार की रकम के बराबर की राशि के रूप में अवधारित किया जाएगा।

परंतु जहां, यथास्थिति, ऐसे उपहार, वाउचर या टोकन का मूल्य पूर्ववर्ष के दौरान कुल 5,000 रुपए से कम है, वहां परिलिखि का मूल्य ‘शून्य’ हो जाएगा।

(v) ऐसे व्यय की रकम, जिसके अंतर्गत कर्मचारी या उसके परिवार के किसी सदस्य की सदस्यता फीस और वार्षिक फीस भी है, जो कि ऐसे क्रेडिक कार्ड पर (जिसके अंतर्गत कोई एड-ऑन कार्ड भी है) जो नियोजक द्वारा या अन्यथा उपलब्ध कराया जाता है, प्रभारित की जाती है, जिसका संदाय या प्रतिपूर्ति नियोजक द्वारा की जाती है, परिलिखि का वह मूल्य मानी जाएगी जो कर से प्रभार्य है। तथापि, ऐसे फायदे का कोई मूल्य नहीं होगा जहां ऐसे व्यय पूर्णतया और अनन्य रूप से पदीय प्रयोजनों के लिए किए जाते हैं और निम्नलिखित शर्तें पूरी की जाती हैं :

परंतु ऐसे फायदे का कोई मूल्य नहीं होगी जहां ऐसे फायदे पूर्णतया और अनन्य रूप से किए जाते हैं और निम्नलिखित शर्तें पूरी की जाती हैं :--

(क) ऐसे व्यय की बाबत संपूर्ण ब्यौरा नियोजक द्वारा रखा जाता है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ व्यय की तारीख तथा व्यय की प्रकृति का ब्यौरा हो ;

(ख) नियोजक ऐसे व्यय के लिए इस आशय का प्रमाणपत्र दे कि वह व्यय पूर्णतया और अनन्य रूप से पदीय कर्तव्यों के पालन के लिए किया गया था ;

(vi) (अ) कर्मचारी को, उसके द्वारा या उसके परिवार के किसी सदस्य द्वारा किसी क्लब में किए गए किसी व्यय का (जिसके अंतर्गत वार्षिक या नियतकालिक फीस भी है) नियोजित द्वारा संदाय किए जाने या उसकी प्रतिपूर्ति किए जाने के परिणामस्वरूप हुए फायदे का मूल्य नियोजक द्वारा उस मद्दे किए गए या प्रतिपूरित व्यय की वास्तविक रकम अवधारित किया जाएगा। इस प्रकार अवधारित रकम में से वह रकम, यदि कोई हो, घटा दी जाएगी जिसका कर्मचारी द्वारा ऐसे फायदे या सुख-सुविधा के लिए संदाय किया गया या जो उससे वसूल की गई है।

परंतु, जहां नियोजक ने क्लब की कारपोरेट सदस्यता प्राप्त कर ली है और उस सुविधा का लाभ कर्मचारी या उसके परिवार के किसी सदस्य द्वारा उठाया जाता है, वहां परिलिखि के मूल्य में ऐसी कारपोरेट सदस्यता लेने के लिए संदत्त आरंभिक फीस सम्मिलित नहीं होगी।

(आ) इस उपनियम की कोई भी बात उस दशा में लागू नहीं होगी यदि ऐसा व्यय पूर्णतया और अनन्य रूप से कारबार के प्रयोजनों के लिए किया जाता है और निम्नलिखित शर्तें पूरी की जाती हैं-

(क) ऐसे व्यय की बाबत संपूर्ण ब्यौरा नियोजक द्वारा रखा जाता है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, व्यय की तारीख, व्यय की प्रकृति और उसकी कारोबारी समीचीनता का ब्यौरा हो ;

(ख) नियोजक ऐसे व्यय के लिए इस आशय का प्रमाण पत्र दे कि वह व्यय पूर्णतया और अनन्य रूप से पदीय कर्तव्य का पालन करने के लिए किया गया था।

(इ) इस उपनियम की कोई भी बात हेत्थ क्लब खेल संबंधी और वैसी ही सुविधाओं के एक समान रूप से नियोजक द्वारा सभी कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जाती है उपयोग के संबंध में लागू नहीं होगी ।

(vii) कर्मचारी का, नियोजक की अपनी या उसके द्वारा किराए पर ली गई किसी जंगम आस्ति (उन आस्तियों से भिन्न जो इस नियम में पहले विनिर्दिष्ट हैं और लैपटोप्स तथा कम्प्यूटरों से भिन्न) का कर्मचारी या उसके परिवार के किसी सदस्य द्वारा उपयोग किए जाने के परिणामस्वरूप होने वाले किसी फायदे का मूल्य, यथास्थिति, ऐसी आस्ति की वास्तविक लागत का 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष या नियोजक द्वारा संदत्त या संदेय किराए या प्रभार की रकम, अवधारित किया जाएगा, जो कि ऐसी रकम यदि कोई हो, घटाकर आए जो कर्मचारी द्वारा ऐसे उपयोग के लिए संदत्त की गई है या उससे वसूल की गई है ।

(viii) कर्मचारी को, नियोजक की किसी जंगम आस्ति का कर्मचारी या उसके परिवार के किसी सदस्य के प्रत्यक्षतः अंतरण किए जाने से होने वाले फायदे का मूल्य नियोजक की ऐसी आस्ति की वास्तविक लागत दर्शित करने वाली ऐसी रकम अवधारित किया जाएगा जो उस प्रत्येक संपूरित वर्ष के लिए, जिसके दौरान ऐसे आस्ति नियोजक द्वारा उपयोग के लिए दी गई थी, ऐसी लागत के 10 प्रतिशत की दर से परिकलित सामान्य टूट-फूट की लागत घटाकर और उसमें से ऐसी और रकम, यदि कोई हो, घटाकर आए, जो ऐसे अंतरण संबंधी प्रतिफल के रूप में कर्मचारी द्वारा संदत्त की गई हो या उससे वसूल की गई हो :

परंतु यह कि कंप्यूटर और इलैक्ट्रॉनिक मदों के मामले में, सामान्य टूट-फूट 50 प्रतिशत की दर पर और मोटरकारों की दशा में 20 प्रतिशत की दर पर न्यूनीकृत अतिशेष पद्धति (reducing balance method) के द्वारा परिकलित की जाएगी ।

(ix) किसी अन्य फायदे या सुख-सुविधा सेवा अधिकार या विशेषाधिकार का जो नियोजक द्वारा उपलब्ध कराया जाए, मूल्य निकटतम संव्यवहार के अधीन नियोजक द्वारा वहन की गई लागत के आधार पर अवधारित किया जाएगा जो कि नियोजक में अभिदाय को यदि कोई है घटा कर आए ।

परंतु इस खंड में अंतर्विष्ट कोई बात कर्मचारी की ओर से नियोजक द्वारा टेलीफोन पर जिसके अंतर्गत मोबाईल फोन भी है, उपगत वास्तविक व्यय को लागू नहीं होगी ।

8(i) धारा 17 की उपधारा (2) के खंड (vi) के प्रयोजनों के लिए उचित किसी कंपनी में उस तारीख को जिसको कर्मचारी द्वारा विकल्प का प्रयोग किया जाता, विनिर्दिष्ट कंपनी के साम्या शेयर प्रतिभूति या श्रमसाध्य साम्या शेयर को खंड (ii) या खंड (iii) में उपबंधों के अनुसार अवधारित किया जाएगा ।

(ii) यदि जहां विकल्प के प्रयोग होने की तारीख को कंपनी में शेयर मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया जाता है वहां उचित बाजार मूल्य, उक्त स्टाक एक्सचेंज पर उस तारीख को शेयर की आरंभिक कीमत और अंतिम कीमत का औसत होगा :

परंतु जहां विकल्प के प्रयोग होने की तारीख को सूचीबद्ध शेयर एक या अधिक मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया जाता है वहां उचित बाजार मूल्य मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज पर शेयर की प्रारंभिक कीमत और अंतिम कीमत का औसत होगा जो व्यवसाय के शेयर की उच्चतम मात्रा को अभिलिखित करता है ;

परंतु यह और कि जहां विकल्प के प्रयोग होने की तारीख को किसी मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज में शेयर का कोई व्यवसाय नहीं है वहां उचित बाजार मूल्य--

(क) विकल्प के प्रयोग होने की तारीख की निकटतम तारीख और ठीक पूर्ववर्ती ऐसी तारीख को किसी मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज पर शेयर की अंतिम कीमत पर होगा ;

(ख) मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज पर शेयर की अंतिम कीमत जो ऐसे शेयर में व्यवसाय की अधिकतम मात्रा को अभिलिखित करता है, यदि विकल्प के प्रयोग होने की तारीख को और ऐसी ठीक पूर्वगामी तारीख अंतिम तारीख को अंतिम कीमत एक या अधिक मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज में अभिलिखित की जाती है, पर होगा ।

(iii) उन मामलों में जहां विकल्प के प्रयोग होने की तारीख को कंपनी के शेयर किसी मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है वहां उचित बाजार मूल्य कंपनी के शेयर का ऐसा मूल्य होगा जो विनिर्दिष्ट तारीख को वाणिज्यिक बैंक द्वारा अवधारित किया जाए ।

(iv) इस उपनियम के प्रयोजन में लिए—

(क) उस तारीख को मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज पर शेयर की “अंतिम कीमत” ऐसे स्टाक एक्सचेंज पर ऐसी तारीख को अंतिम परिनिर्धारण की कीमत होगी ।

परंतु जहां स्टाक एक्सचेंज “क्रय” और “विक्रय” दोनों को उदधृत करता है वहां अंतिम कीमत, अंतिम परिनिर्धारण की “विक्रय” कीमत होगी ।

(ख) “वाणिज्यिक बैंककार” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, अधिनियम 1992 (1992 का 15) की धारा 3 में अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के साथ रजिस्ट्रीकृत प्रवर्ग I का वाणिज्यिक बैंककार है ।

(ग) उस तारीख को मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज पर शेयर की “प्रारंभिक कीमत” ऐसे स्टाक एक्सचेंज पर ऐसी तारीख के पहले परिनिर्धारण की कीमत होगी ;

परंतु जहां स्टाक एक्सचेंज “क्रय” और “विक्रय” कीमत दोनों की उदधृत करता है वहां प्रारंभिक कीमत पहले परिनिर्धारण की “विक्रय” कीमत होगी ।

(घ) मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज की वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 2 के खंड (च) में समनुदेशित है ;

(ङ) विनिर्दिष्ट तारीख से अभिप्रेत है—

- (i) विकल्प के विहित होने की तारीख या
- (ii) विकल्प के प्रयोग किए जाने की तारीख में पूर्व कोई तारीख जो ऐसी तारीख नहीं है, प्रयोग की तारीख के पूर्व 180 दिन से अधिक है।

(9) धारा 17 की उपधारा (2) के खंड (vi) के प्रयोजनों के लिए कोई विनिर्दिष्ट प्रतिभूति का उचित बाजार मूल्य जो कंपनी में साम्या शेयर नहीं है, उस तारीख को जिसको कर्मचारी द्वारा विकल्प का प्रयोग किया जाता है, ऐसा मूल्य होगा जो विनिर्दिष्ट तारीख को वाणिज्यिक बैंककार द्वारा अवधारित किया जाए।

स्पष्टीकरण-इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए “वाणिज्यिक बैंककार” और विनिर्दिष्ट तारीख को वही अर्थ होगा जो उपनियम (8) के खंड (iv) के क्रमशः उपखंड (ख) और उपखंड (5) में समनुदेशित है।

(10) यह नियम, 1 अप्रैल, 2009 से प्रवृत्त होगा।

स्पष्टीकरण-इस नियम के प्रयोजनों के लिए—

- (i) “वास-सुविधा” के अंतर्गत कोई मकान, फार्म हाउस या उसका कोई भाग या किसी होटल, मोटल, सर्विस अपार्टमेंट, गैस्ट हाउस, कैरवान, मोबाइल होम, पोत (शिप) या अन्य प्लवमान भवन में की वास-सुविधा आती है;
- (ii) “आतिथ्य सत्कार” के अंतर्गत किसी भी प्रकार का आतिथ्य सत्कार आता है और इसके अंतर्गत नियोजक के अपने उत्पाद के आय लोगों के उसका विज्ञापन करने के उद्देश्य से दिए गए निःशुल्क सैम्पत्ति से भिन्न कारबार संबंधी उपहारों पर का व्यय भी आता है;
- (iii) “होटल” के अंतर्गत मोटल, सर्विस अपार्टमेंट या गैस्ट हाउस की प्रकृति की लाइसेंस-शुदा वास-सुविधा आती है;
- (iv) “परिवार का सदस्य” के अंतर्गत निम्नलिखित आएंगे—
 - (क) पति या पत्नी ;
 - (ख) बच्चे और उनके पति या पत्नियां ;
 - (ग) माता-पिता ;
 - (घ) सेवक और आश्रित ;

(v) “दूरस्थ क्षेत्र” से इस उपनियम के परंतुक के प्रयोजनों के लिए वह क्षेत्र अभिप्रेत है जो नवीनतम प्रकाशित अखिल भारतीय जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर 20,000 से अधिक जनसंख्या वाले नगर से कम से कम 40 किलोमीटर दूर स्थित हो ;

(vi) “वेतन” के अंतर्गत यथास्थिति एक या अधिक नियोजकों द्वारा मासिक रूप से या अन्य संदेय वेतन, भत्ते, बोनस या कमीशन या कोई धन संबंधी संदाय, चाहे वह किसी भी नाम से ज्ञात हो, किंतु इसके अंतर्गत निम्नलिखित नहीं आते, अर्थात् :—

(क) मंहगाई भत्ता या मंहगाई वेतन जब तक कि वह संबद्ध कर्मचारी के अधिवर्षिता की आयु ग्रहण करने या सेवानिवृत्ति संबंधी फायदों की संगणना करने में प्रविष्ट न किया गया हो ;

(ख) कर्मचारी के भविष्य निधि खाते में नियोजक का अभिदाय ;

(ग) वे भत्ते, जो कर का संदाय करने से छूट प्राप्त हैं ;

(घ) आय-कर अधिनियम की धारा 17 के खंड (2) में विनिर्दिष्ट परिलक्षियों का मूल्य ;

(ङ) धारा 17 के खंड (2) के उपखंड (iii) के परंतुक या खंड (2) के परंतुक अधीन विनिर्दिष्ट रूप से अपवर्जित कोई संदाय या व्यय ;

(च) किसी समय प्राप्ति सेवा की समाप्ति या अधिवर्षिता या स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की समाणित पर उपदान, विभाजन वेतन, छुट्टी नकदीकरण, स्वैच्छिक छँटनी फायदे, पेंशन का लघूकरण और उसी माह के संदाय जैसा एकमुश्त संदेय ;

(vii) “अधिकतम बकाया मासिक अतिशेष” से प्रत्येक मास की अंतिम तारीख को प्रत्येक ऋण के लिए कुल बकाया अतिशेष अभिप्रेत है ।

3. आय-कर नियम में नियम 40ड के पश्चात निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“40च इस भाग में अंतर्विष्ट कोई बात 1 अप्रैल, 2010 को आरंभ होने वाले निर्धारण वर्ष या किसी पश्चातवर्ती निर्धारण वर्ष के संबंध में लागू नहीं होगी ।”

[अधिसूचना सं. 94/2009/फा. सं. 142/25/2009 एसओ (टीपीएल) |

विमल आनंद, अवर सचिव

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं० का.आ.969(अ) तारीख 26 मार्च, 1962, द्वारा प्रकाशित की गई थी और अधिसूचना सं.का.आ. 2227(अ) तारीख 02.09.2009 के तहत आय-कर. (12वां संशोधन) नियम, 2009 द्वारा अंतिम संशोधन किया गया।

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)
NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th December, 2009

INCOME-TAX

S.O. 3245(E).— In exercise of the powers conferred by section 295 read with sub-section (2) of section 17 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (13th Amendment) Rules, 2009.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 2009.
2. In the Income-tax Rules, 1962, for rule 3, the following shall be substituted, namely:-
 - “3. For the purpose of computing the income chargeable under the head “Salaries”, the value of perquisites provided by the employer directly or indirectly to the assessee (hereinafter referred to as employee) or to any member of his household by reason of his employment shall be determined in accordance with the following sub-rules, namely:-
 - (1) The value of residential accommodation provided by the employer during the previous year shall be determined on the basis provided in the Table below:

TABLE I

Sl. No.	Circumstances	Where accommodation is unfurnished	Where accommodation is furnished
(1)	(2)	(3)	(4)
(1)	Where the accommodation is provided by the Central Government or any State Government to the employees either	License fee determined by the Central Government or any State Government in respect of accommodation in accordance with the rules framed by such Government	The value of perquisite as determined under column (3) and increased by 10% per annum of the cost of furniture (including television sets, radio sets,

	holding office or post in connection with the affairs of the Union or of such State.	as reduced by the rent actually paid by the employee.	refrigerators, other household appliances, air-conditioning plant or equipment) or if such furniture is hired from a third party, the actual hire charges payable for the same as reduced by any charges paid or payable for the same by the employee during the previous year.
(2)	<p>Where the accommodation is provided by any other employer and –</p> <p>(a) where the accommodation is owned by the employer, or</p> <p>(b) where the accommodation is taken on lease or rent by the employer.</p>	<p>(i) 15% of salary in cities having population exceeding 25 lakhs as per 2001 census;</p> <p>(ii) 10% of salary in cities having population exceeding 10 lakhs but not exceeding 25 lakhs as per 2001 census;</p> <p>(iii) 7.5% of salary in other areas.</p> <p>in respect of the period during which the said accommodation was occupied by the employee during the previous year as reduced by the rent, if any, actually paid by the employee.</p> <p>Actual amount of lease rental paid or payable by the employer or 15% of salary whichever is lower as reduced by the rent, if any, actually paid by the employee.</p>	<p>The value of perquisites as determined under column (3) and increased by 10% per annum of the cost of furniture (including television sets, refrigerators, other household appliances, air-conditioning plant or equipment or other similar appliances or gadgets) or if such furniture is hired from a third party, by the actual hire charges payable for the same as reduced by any charges paid or payable for the same by the employee during the previous year.</p> <p>The value of perquisite as determined under column (3) and increased by 10% per annum of the cost of furniture (including television sets, radio sets, refrigerators, other household appliances, air-</p>

			conditioning plant or equipment or other similar appliances or gadgets) or if such furniture is hired from a third party, by the actual hire charges payable for the same as reduced by any charges paid or payable for the same by the employee during the previous year.
(3)	Where the accommodation is provided by the employer specified in serial number (1) or (2) in a hotel (except where the employee is provided such accommodation for a period not exceeding in aggregate fifteen days on his transfer from one place to another)	Not applicable	24% of salary paid or payable for the previous year or the actual charges paid or payable to such hotel, which is lower, for the period during which such accommodation is provided as reduced by the rent, if any, actually paid or payable by the employee:

Provided that nothing contained in this sub-rule shall apply to any accommodation provided to an employee working at a mining site or an on-shore oil exploration site or a project execution site, or a dam site or a power generation site or an off-shore site-

- (i) which, being of a temporary nature and having plinth area not exceeding 800 square feet, is located not less than eight kilometers away from the local limits of any municipality or a cantonment board; or
- (ii) which is located in a remote area:

Provided further that where on account of his transfer from one place to another, the employee is provided with accommodation at the new place of posting while retaining the accommodation at the other place, the value of perquisite shall be determined with reference to only one such accommodation which has the lower value with reference to the Table above for a period not exceeding 90 days and thereafter the value of perquisite shall be charged for both such accommodations in accordance with the Table.

Explanation.- For the purposes of this sub-rule, where the accommodation is provided by the Central Government or any State Government to an employee who is serving on deputation with any body or undertaking under the control of such Government,-

- (i) the employer of such an employee shall be deemed to be that body or undertaking where the employee is serving on deputation; and

(ii) the value of perquisite of such an accommodation shall be the amount calculated in accordance with Sl. No. (2)(a) of Table I, as if the accommodation is owned by the employer.

(2) (A) The value of perquisite by way of use of motor car to an employee by an employer shall be determined in accordance with the following Table, namely:-

TABLE II

VALUE OF PERQUISITE PER CALENDAR MONTH

Sl. No.	Circumstances (2)	Where cubic capacity of engine does not exceed 1.6 litres	Where cubic capacity of engine exceeds 1.6 litres
		(3)	(4)
(1)	Where the motor car is owned or hired by the employer and—		
	(a) is used wholly and exclusively in the performance of his official duties;	No value: Provided that the documents specified in clause (B) of this sub-rule are maintained by the employer.	No value: Provided that the documents specified in clause (B) of this sub-rule are maintained by the employer.
	(b) is used exclusively for the private or personal purposes of the employee or any member of his household and the running and maintenance expenses are met or reimbursed by the employer;	Actual amount of expenditure incurred by the employer on the running and maintenance of motor car during the relevant previous year including remuneration, if any, paid by the employer to the chauffeur as increased by the amount representing normal wear and tear of the motor car and as reduced by any amount charged from the employee for such use.	Actual amount of expenditure incurred by the employer on the running and maintenance of motor car during the relevant previous year including remuneration, if any, paid by the employer to the chauffeur as increased by the amount representing normal wear and tear of the motor car and as reduced by any amount charged from the employee for such use.
	(c) is used partly in the performance of duties and partly for private or personal purposes of his own or any member of his household and—		
	(i) the expenses on maintenance	Rs. 1,800 (plus Rs. 900, if chauffeur is also provided to	Rs. 2,400 (plus Rs. 900, if chauffeur is also provided to

	<p>and running are met or reimbursed by the employer;</p> <p>(ii) the expenses on running and maintenance for private or personal use are fully met by the assessee.</p>	<p>run the motor car)</p> <p>Rs. 600 (plus Rs.900, if chauffeur is also provided by the employer to run the motor car)</p>	<p>run the motor car)</p> <p>Rs. 900 (plus Rs. 900, if chauffeur is also provided to run the motor car)</p>
(2)	<p>Where the employee owns a motor car but the actual running and maintenance charges (including remuneration of the chauffeur, if any) are met or reimbursed to him by the employer and-</p> <p>(i) such reimbursement is for the use of the vehicle wholly and exclusively for official purposes;</p> <p>(ii) such reimbursement is for the use of the vehicle partly for official purposes and partly for personal or private purposes of the employee or any member of his household.</p>	<p>No value: Provided that the documents specified in clause (B) of this sub-rule are maintained by the employer.</p> <p>Subject to the provisions of clause (B) of this sub-rule, the actual amount of expenditure incurred by the employer as reduced by the amount specified in Sl. No. (1)(c)(i) above.</p>	<p>No value: Provided that the documents specified in clause (B) of this sub-rule are maintained by the employer.</p> <p>Subject to the provisions of clause (B) of this sub-rule, the actual amount of expenditure incurred by the employer as reduced by the amount specified in Sl. No. (1)(c)(i) above</p>
(3)	Where the employee owns any other automotive conveyance but the actual running and maintenance charges are met or		

	<p>reimbursed to him by the employer and</p> <p>(i) such reimbursement is for the use of the vehicle wholly and exclusively for official purposes;</p> <p>(ii) such reimbursement is for the use of vehicle partly for official purposes and partly for personal or private purposes of the employee.</p>	<p>No value: Provided that the documents specified in clause (B) of this sub-rule are maintained by the employer.</p> <p>Subject to the provisions of clause (B) of this sub-rule, the actual amount of expenditure incurred by the employer as reduced by the amount of Rs. 900.</p>	Not applicable.
--	---	--	-----------------

Provided that where one or more motor-cars are owned or hired by the employer and the employee or any member of his household are allowed the use of such motor-car or all of any of such motor-cars (otherwise than wholly and exclusively in the performance of his duties), the value of perquisite shall be the amount calculated in respect of one car in accordance with Sl. No. (1)(c)(i) of Table II as if the employee had been provided one motor-car for use partly in the performance of his duties and partly for his private or personal purposes and the amount calculated in respect of the other car or cars in accordance with Sl. No. (1)(b) of Table II as if he had been provided with such car exclusively for his private or personal purposes.

(B) Where the employer or the employee claims that the motor-car is used wholly and exclusively in the performance of official duty or that the actual expenses on the running and maintenance of the motor-car owned by the employee for official purposes is more than the amounts deductible in Sl. No. 2(ii) or 3(ii) of Table II, he may claim a higher amount attributable to such official use and the value of perquisite in such a case shall be the actual amount attributable to official use of the vehicle provided that the following conditions are fulfilled:-

- (a) the employer has maintained complete details of journey undertaken for official purpose which may include date of journey, destination, mileage, and the amount of expenditure incurred thereon;
- (b) the employer gives a certificate to the effect that the expenditure was incurred wholly and exclusively for the performance of official duties.

Explanation.- For the purposes of this sub-rule, the normal wear and tear of a motor-car shall be taken at 10% per annum of the actual cost of the motor-car or cars.

(3) The value of benefit to the employee or any member of his household resulting from the provision by the employer or services of a sweeper, a gardener, a watchman or a personal attendant, shall be the actual cost to the employer. The actual cost in such a case shall be the total amount of salary paid or payable by the employer or any other person on his behalf for such services as reduced by any amount paid by the employee for such services.

(4) The value of the benefit to the employee resulting from the supply of gas, electric energy or water for his household consumption shall be determined as the sum equal to the amount paid on that account by the employer to the agency supplying the gas, electric energy or water. Where such supply is made from resources owned by the employer, without purchasing them from any other outside agency, the value of perquisite would be the manufacturing cost per unit incurred by the employer. Where the employee is paying any amount in respect of such services, the amount so paid shall be deducted from the value so arrived at.

(5) The value of benefit to the employee resulting from the provision of free or concessional educational facilities for any member of his household shall be determined as the sum equal to the amount of expenditure incurred by the employer in that behalf or where the educational institution is itself maintained and owned by the employer or where free educational facilities for such member of employees' household are allowed in any other educational institution by reason of his being in employment of that employer, the value of the perquisite to the employee shall be determined with reference to the cost of such education in a similar institution in or near the locality. Where any amount is paid or recovered from the employee on that account, the value of benefit shall be reduced by the amount so paid or recovered:

Provided that where the educational institution itself is maintained and owned by the employer and free educational facilities are provided to the children of the employee or where such free educational facilities are provided in any institution by reason of his being in employment of that employer, nothing contained in this sub-rule shall apply if the cost of such education or the value of such benefit per child does not exceed one thousand rupees per month.

(6) The value of any benefit or amenity resulting from the provision by an employer who is engaged in the carriage of passengers or goods, to any employee or to any member of his household for personal or private journey free of cost or at concessional fare, in any conveyance owned, leased or made available by any other arrangement by such employer for the purpose of transport of passengers or goods shall be taken to be the value at which such benefit or amenity is offered by such employer to the public as reduced by the amount, if any, paid by or recovered from the employee for such benefit or amenity:

Provided that nothing contained in this sub-rule shall apply to the employees of an airline or the railways.

(7) In terms of provisions contained in clause (viii) of sub-section (2) of section 17, the following other benefits or amenities and value thereof shall be determined in the manner provided hereunder:

(i) The value of the benefit to the assessee resulting from the provision of interest-free or concessional loan for any purpose made available to the employee or any member of his household during the relevant previous year by the employer or any person on his behalf shall be determined as the sum equal to the interest computed at the rate charged per annum by the State Bank of India, constituted under the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), as on the 1st day of the relevant previous year in respect of loans for the same purpose advanced by it on the maximum outstanding monthly balance as reduced by the interest, if any, actually paid by him or any such member of his household:

Provided that no value would be charged if such loans are made available for medical treatment in respect of diseases specified in rule 3A of these Rules or where the amount of loans are petty not exceeding in the aggregate twenty thousand rupees:

Provided further that where the benefit relates to the loans made available for medical treatment referred to above, the exemption so provided shall not apply to so much of the loan as has been reimbursed to the employee under any medical insurance scheme.

(ii) The value of travelling, touring, accommodation and any other expenses paid for or borne or reimbursed by the employer for any holiday availed of by the employee or any member of his household, other than concession or assistance referred to in rule 2B of these rules, shall be determined as the sum equal to the amount of the expenditure incurred by such employer in that behalf. Where such facility is maintained by the employer, and is not available uniformly to all employees, the value of benefit shall be taken to be the value at which such facilities are offered by other agencies to the public. Where the employee is on official tour and the expenses are incurred in respect of any member of his household accompanying him, the amount of expenditure so incurred shall also be a fringe benefit or amenity:

Provided that where any official tour is extended as a vacation, the value of such fringe benefit shall be limited to the expenses incurred in relation to such extended period of stay or vacation. The amount so determined shall be reduced by the amount, if any, paid or recovered from the employee for such benefit or amenity.

(iii) The value of free food and non-alcoholic beverages provided by the employer to an employee shall be the amount of expenditure incurred by such employer. The amount so determined shall be reduced by the amount, if any, paid or recovered from the employee for such benefit or amenity:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to free food and non-alcoholic beverages provided by such employer during working hours at office or business premises or through paid vouchers which are not transferable and usable only at eating joints, to the extent the value thereof either case does not exceed fifty rupees per meal or to tea or snacks provided during working hours or to free

food and non-alcoholic beverages during working hours provided in a remote area or an off-shore installation.

- (iv) The value of any gift, or voucher, or token in lieu of which such gift may be received by the employee or by member of his household on ceremonial occasions or otherwise from the employer shall be determined as the sum equal to the amount of such gift:

Provided that where the value of such gift, voucher or token, as the case may be, is below five thousand rupees in the aggregate during the previous year, the value of perquisite shall be taken as 'nil'.

- (v) The amount of expenses including membership fees and annual fees incurred by the employee or any member of his household, which is charged to a credit card (including any add-on-card) provided by the employer, or otherwise, paid for or reimbursed by such employer shall be taken to be the value of perquisite chargeable to tax as reduced by the amount, if any paid or recovered from the employee for such benefit or amenity:

Provided that there shall be no value of such benefit where expenses are incurred wholly and exclusively for official purposes and the following conditions are fulfilled:-

- (a) complete details in respect of such expenditure are maintained by the employer which may, *inter alia*, include the date of expenditure and the nature of expenditure;
- (b) the employer gives a certificate for such expenditure to the effect that the same was incurred wholly and exclusively for the performance of official duties.
- (vi) (A) The value of benefit to the employee resulting from the payment or reimbursement by the employer of any expenditure incurred (including the amount of annual or periodical fee) in a club by him or by a member of his household shall be determined to be the actual amount of expenditure incurred or reimbursed by such employer on that account. The amount so determined shall be reduced by the amount, if any paid or recovered from the employee for such benefit or amenity:

Provided that where the employer has obtained corporate membership of the club and the facility is enjoyed by the employee or any member of his household, the value of perquisite shall not include the initial fee paid for acquiring such corporate membership.

(B) Nothing contained in this clause shall apply if such expenditure is incurred wholly and exclusively for business purposes and the following conditions are fulfilled:-

- (a) complete details in respect of such expenditure are maintained by the employer which may, *inter alia*, include the date of expenditure, the nature of expenditure and its business expediency;
- (b) the employer gives a certificate for such expenditure to the effect that the same was incurred wholly and exclusively for the performance of official duties.

(C) Nothing contained in this clause shall apply for use of health club, sports and similar facilities provided uniformly to all employees by the employer.

- (vii) The value of benefit to the employee resulting from the use by the employee or any member of his household of any movable asset (other than assets already specified in this rule and other than laptops and computers) belonging to the employer or hired by him shall be determined at 10% per annum of the actual cost of such asset or the amount of rent or charge paid or payable by the employer, as the case may be, as reduced by the amount, if any, paid or recovered from the employee for such use.
- (viii) The value of benefit to the employee arising from the transfer of any movable asset belonging to the employer directly or indirectly to the employee or any member of his household shall be determined to be the amount representing the actual cost of such assets to the employer as reduced by the cost of normal wear and tear calculated at the rate of 10% of such cost for each completed year during which such asset was put to use by the employer and as further reduced by the amount, if any, paid or recovered from the employee being the consideration for such transfer:

Provided that in the case of computers and electronic items, the normal wear and tear would be calculated at the rate of 50% and in the case of motor cars at the rate of 20% by the reducing balance method.

- (ix) The value of any other benefit or amenity, service, right or privilege provided by the employer shall be determined on the basis of cost to the employer under an arm's length transaction as reduced by the employee's contribution, if any:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to the expenses on telephones including a mobile phone actually incurred on behalf of the employee by the employer.

(8) (i) For the purposes of clause (vi) of sub-section (2) of section 17, the fair market value of any specified security or sweat equity share, being an equity share in a company, on the date on which the option is exercised by the employee, shall be determined in accordance with the provisions of clause (ii) or clause (iii).

(ii) In a case where, on the date of the exercising of the option, the share in the company is listed on a recognized stock exchange, the fair market value shall be the average of the opening price and closing price of the share on that date on the said stock exchange:

Provided that where, on the date of exercising of the option, the share is listed on more than one recognized stock exchanges, the fair market value shall be the average of opening price and closing price of the share on the recognised stock exchange which records the highest volume of trading in the share:

Provided further that where, on the date of exercising of the option, there is no trading in the share on any recognized stock exchange, the fair market value shall be—

- (a) the closing price of the share on any recognised stock exchange on a date closest to the date of exercising of the option and immediately preceding such date; or
- (b) the closing price of the share on a recognised stock exchange, which records the highest volume of trading in such share, if the closing price, as on the date closest to the date of exercising of the option and immediately preceding such date, is recorded on more than one recognized stock exchange.

(iii) In a case where, on the date of exercising of the option, the share in the company is not listed on a recognised stock exchange, the fair market value shall be such value of the share in the company as determined by a merchant banker on the specified date.

(iv) For the purpose of this sub-rule,—

- (a) “closing price” of a share on a recognised stock exchange on a date shall be the price of the last settlement on such date on such stock exchange;

Provided that where the stock exchange quotes both “buy” and “sell” prices, the closing price shall be the “sell” price of the last settlement.

- (b) “merchant banker” means category I merchant banker registered with Security and Exchange Board of India established under section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);

- (c) “opening price” of a share on a recognised stock exchange on a date shall be the price of the first settlement on such date on such stock exchange;

Provided that where the stock exchange quotes both “buy” and “sell” prices, the opening price shall be the “sell” price of the first settlement.

- (d) “recognised stock exchange” shall have the same meaning assigned to it in clause (f) of section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

- (e) “specified date” means,—

(i) the date of exercising of the option; or

(ii) any date earlier than the date of the exercising of the option, not being a date which is more than 180 days earlier than the date of the exercising.

(9) For the purposes of clause (vi) of sub-section (2) of section 17, the fair market value of any specified security, not being an equity share in a company, on the date on which the option is exercised by the employee, shall be such value as determined by a merchant banker on the specified date.

Explanation. - For the purposes of this sub-rule, ‘merchant banker’ and ‘specified date’ shall have the meanings assigned to them in sub-clause (b) and sub-clause (e) respectively of clause (iv) of sub-rule (8).

(10) This rule shall come into force with effect from the 1st day of April, 2009.

Explanation.— For the purposes of this rule—

- (i) “accommodation” includes a house, flat, farm house or part thereof, or accommodation in a hotel, motel, service apartment, guest house, caravan, mobile home, ship or other floating structure;
- (ii) “entertainment” includes hospitality of any kind and also, expenditure on business gifts other than free samples of the employers own product with the aim of advertising to the general public;
- (iii) “hotel” includes licensed accommodation in the nature of motel, service apartment or guest house;
- (iv) “member of household” shall include—
 - (a) spouse(s),
 - (b) children and their spouses,
 - (c) parents, and
 - (d) servants and dependants;
- (v) “remote area”, for purposes of proviso to this sub-rule means an area that is located at least 40 kilometres away from a town having a population not exceeding 20,000 based on latest published all-India census;
- (vi) “salary” includes the pay, allowances, bonus or commission payable monthly or otherwise or any monetary payment, by whatever name called from one or more employers, as the case may be, but does not include the following, namely:—
 - (a) dearness allowance or dearness pay unless it enters into the computation of superannuation or retirement benefits of the employee concerned;
 - (b) employer’s contribution to the provident fund account of the employee;
 - (c) allowances which are exempted from payment of tax;
 - (d) the value of perquisites specified in clause (2) of section 17 of the Income-tax Act;
 - (e) any payment or expenditure specifically excluded under proviso to sub-clause (iii) of clause (2) or proviso to clause (2) of section 17;
 - (f) lump-sum payments received at the time of termination of service or superannuation or voluntary retirement, like gratuity, severance pay, leave

encashment, voluntary retrenchment benefits, commutation of pension and similar payments;

(vii) "maximum outstanding monthly balance" means the aggregate outstanding balance for each loan as on the last day of each month."

3. After rule 40E of the Income-tax Rules, the following rule shall be inserted, namely:-

"40F. Nothing contained in this Part, shall apply, in respect of any assessment for the assessment year commencing on the 1st day of April, 2010 or any subsequent assessment year."

[Notification No. 94/2009/E. No. 142/25/2009-SO (TPI.)]
VIMAL ANAND, Under Secy.

Note : The principal rules were published vide notification No. S.O. 969(E) dated the 26th March, 1962 and last amended by Income-tax (12th Amendment) Rules, 2009 vide notification No. S.O. 2227(E), dated 02-09-2009.